भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4525

जिसका उत्तर बुधवार 12 अप्रैल, 2017 को दिया जाना है

" 'फेम इंडिया' स्कीम के अन्तर्गत प्रोत्साहन"

4525. श्री टी. रतिनावेल:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाइब्रिड कारों को कम प्रदूषण फैलाने वाली कारें माना जाता है, क्योंकि वे कम उत्सर्जन करती हैं जबकि इलैक्ट्रिक वाहन बिल्कुल उत्सर्जन नहीं करते;

(ख) क्या यह भी सच है कि 'फेम इंडिया' स्कीम के अन्तर्गत लगभग 60 प्रतिशत प्रोत्साहन माइल्ड डीज़ल हाईब्रिड कारों को दिया गया है, जिन्हें पहले से ही उत्पाद शुल्क में भारी छूट दी गई है;

(ग) क्या इलैक्ट्रिक और स्ट्रांग हाईब्रिड को अधिकतर नज़रअंदाज किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क): भारी उद्योग विभाग ने हाइब्रिड एवं इलैक्ट्रिक वाहनों द्वारा छोड़े जाने वाले उत्सर्जन की मात्रा का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया है।

(ख) से (घ): वाहन टाइप के साथ-साथ मांग-प्रोत्साहन तथा सरकार द्वारा 01 अप्रैल, 2015 से 28 फरवरी, 2017 तक फेम इंडिया स्कीम के अंतर्गत सहायता प्राप्त कुल वाहनों का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है:

वाहन का प्रकार	सहायता प्राप्त कुल वाहन	कुल प्रोत्साहन राशि (बचनबद्ध + जारी की गई) (₹ में)
परम्परागत बैटरी वाले कम गति के दुपहिया	33496	25,12,20,000
परम्परागत बैटरी वाले उच्च गति के दुपहिया	1386	1,30,28,400
माइल्ड हाइब्रिड चौपहिया	73633	95,72,29,000
उन्नत बैटरी वाले कम गति के दुपहिया	193	32,81,000
स्ट्रांग हाइब्रिड चौपहिया	1949	13,64,30,000
पूर्णतः इलैक्ट्रिक कार	1230	15,25,20,000
पूर्णतः इलैक्ट्रिक एलसीवी	10	18,70,000
सहायता प्राप्त कुल वाहन	**111897**	
प्राप्त दावों की कुल राशि		151,55,78,400
28.02.2017 की स्थिति के अनुसार जारी की गई कुल राशि		127,77,38,200

****